

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मई, 2004

का.आ. 606(अ).— जबकि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 35 क ग के स्पष्टीकरण के खण्ड (ख) के साथ पठित उप-धारा (1) के अंतर्गत जारी की गई भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 22 जनवरी, 2003 की अधिसूचना सं० सां० आ० 60 (अ०) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने श्री सिमन्धर स्वामी आराधना ट्रस्ट, 5 ममता पार्क सोसायटी, नवगुजरात कॉलेज के पीछे, उस्मानपुरा, अहमदाबाद 380014 द्वारा गुरुकुल अथवा ज्ञान मंदिर और हैल्थ केयर क्लिनिक के निर्माण अथवा विस्तार तथा उसे चलाने के लिए कर निर्धारण वर्ष 2003-2004 से आरम्भ होने वाले वर्ष से दो वर्षों की अवधि के लिए एक पात्र परियोजना अथवा स्कीम के रूप में क्रम संख्या 2 पर विनिर्दिष्ट किया था ;

और जबकि उक्त परियोजना या स्कीम के दो वर्षों से अधिक समय तक चलने की संभावना है;

और जबकि आर्थिक और सामाजिक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए राष्ट्रीय समिति का यह समाधान हो जाने पर कि उक्त परियोजना अथवा स्कीम उपयुक्त रूप से निष्पादित की जा रही है, इस समिति ने आयकर नियमावली, 1962 के नियम 11 ड के उप-नियम (5) के अन्तर्गत उक्त परियोजना अथवा स्कीम को अगले तीन वर्षों की आगे की अवधि के लिए विनिर्दिष्ट करने की सिफारिश की है;

इसलिए अब केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 35 क ग के स्पष्टीकरण के खण्ड (ख) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते श्री सिमन्धर स्वामी आराधना ट्रस्ट, 5 ममता पार्क सोसायटी, नवगुजरात कॉलेज के पीछे, उस्मानपुरा, अहमदाबाद 380014 द्वारा गुरुकुल अथवा ज्ञान मंदिर और हैल्थ केयर क्लिनिक के निर्माण अथवा विस्तार तथा उसे चलाने की परियोजना या स्कीम को जो केवल दो करोड़ अठ्ठाइस लाख, चौवन हजार रू० की अनुमानित लागत पर वित्तीय वर्ष 2004-2005 से प्रारंभ होने वाले वर्ष से आगे तीन वर्षों की अवधि के लिए एक पात्र परियोजना अथवा स्कीम के रूप में विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं. 149/2004/फा. सं. एन.सी. 395/2003]

सुनील शर्मा, उप-सचिव (राष्ट्रीय समिति)